हिन्दी प्रादेशिक समाचार

आकाशवाणी चंडीगढ़

(तिथि 17 सितम्बर 2024, समय 1305 (5 मिनट)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विश्वकर्मा जयंती के अवसर पर देशवासियों को शुभकामनाएं दी हैं। श्री मोदी ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि वह निर्माण और निर्माण क्षेत्र से जुड़े सभी कुशल और मेहनती लोगों को **नमन करते** हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि विकसित और त्मनिर्भर भारत के संकल्प को सिद्ध करने में उनका अद्वितीय योगदान रहेगा।

****

स्वच्छता ही सेवा" अभियान ज से शुरू हो गया है जो 2 अक्तूबर तक चलेगा। इस वर्ष अभियान का थीम "स्वभाव स्वच्छता-संस्कार स्वच्छता" रखा गया है। ज नगर निगम चंडीगढ़ द्वारा रोज़ गार्डन से स्वच्छता अभियान की शुरु त की गई। चंडीगढ़ के प्रमुख सरकारी प्रतिष्ठानों, कार्यालयों एवं संस्थानों में भी ज से श्रमदान और सामूहिक सहयोग से स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। इस बार स्वच्छता अभियान श्रमदान गतिविधि, स्वच्छता में जनभागीदारी और सफाई मित्र सुरक्षा शिविरों पर केंद्रित होगा।

****

हरियाणा में कल 190 उम्मीदवारों ने अपने नामांकन पत्र वापस ले लिए। मुख्य निर्वाचन अधिकारी पंकज अग्रवाल ने मीडिया को बताया कि अब 1031 उम्मीदवार चुनाव मैदान में रह गए हैं। उन्होंने बताया कि 13 सितंबर को नामांकन पत्रों की जांच के बाद 1559 उम्मीदवारों द्वारा दाखिल 1746 नामांकन पत्रों में से 1221 नामांकन पत्र वैध पाए गए, जबकि 338 की उम्मीदवारी रद्द कर दी गई। उन्होंने कहा कि कल नामांकन वापस लेने का अंतिम दिन था। श्री अग्रवाल ने यह भी

बताया कि 2014 के हरियाणा विधानसभा म चुनाव में 1351 उम्मीदवार चुनाव मैदान में थे, जबकि 2019 में 1169 उम्मीदवारों ने विधानसभा चुनाव लड़ा था। काबिले गौर है कि हरियाणा में विधानसभा चुनाव की सभी 90 सीटों पर 5 अक्तूबर को मतदान होगा जबकि मतगणना 8 अक्तूबर को होगी और चुनाव परिणाम उसी दिन घोषित किए जाएंगे।

****

हरियाणा में कल कई उम्मीदवारों द्वारा नामांकन वापस लिए जाने के बाद सभी विधानसभा

क्षेत्रों में प्रत्याशियों को चुनाव चिन्ह वंटित कर दिए गए हैं।प्रमुख राजनीतिक दलों को उनकी पार्टी का चुनाव चिन्ह ही वंटित किया गया है जबकि निर्दलीय उम्मीदवारों को अलमारी, सिलाई मशीन, गैस चूल्हा, ट्रैक व लैपटॉप दि चुनाव चिन्ह वंटित किए गए हैं। कल फरीदाबाद विधानसभा क्षेत्र से ज़ाद समाज पार्टी की निशा वाल्मीकि ने अपना नामांकन वापस ले लिया। ज़ाद समाज पार्टी, जननायक जनता पार्टी के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ रही है। कल नाराज़ नेताओं को मनाने का सिलसिला भी चलता रहा। करनाल की पूर्व मेयर रेणु बाला गुप्ता ने बी.जे.पी प्रत्याशी जगमोहन नंद के पक्ष में प्रचार करने का फ़ैसला किया।भारतीय जनता पार्टी ने रेणु बाला के पति और बी.जे.पी के ज़िला कोषाध्यक्ष बृज भूषण गुप्ता को कार्यकारी ज़िला अध्यक्ष के पद पर नियुक्त कर दिया है। प्रदेशाध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने उनका नियुक्ति पत्र जारी कर दिया है।उधर, बल्लभगढ़ के प्रमुख फतेहपुरिया संगठन ने बी.जे.पी प्रत्याशी मूलचंद शर्मा को अपना समर्थन देने की घोषणा की है।

****

भारतीय किसान यूनियन के प्रदेशाध्यक्ष रतनमान ने कहा है कि भारतीय किसान यूनियन पूर्ण रूप से एक गैर राजनीतिक संगठन है। अगर कोई पदाधिकारी व कार्यकर्ता चुनावी गतिविधियों में किसी प्रकार की भूमिका में लिप्त पाया जाता है, तो उसे संगठन से तुरंत प्रभाव से बाहर का रास्ता दिखा दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि भारतीय किसान यूनियन एक मान्यता प्राप्त जन संगठन है। जिसका राजनीतिक उद्देश्यों के लिए प्रयोग नहीं किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कई जगहों से शिकायतें मिल रही है कि कुछ कार्यकर्ता संगठन के झंडे का चुनावी गतिविधियों में इस्तेमाल करके भारतीय किसान यूनियन की ओर से चुनावी समर्थन देने का ऐलान कर रहे है। इस प्रकार की गतिविधियां यूनियन के संविधान के विरुद्ध है।

****

हरियाणा में अटल-भूजल योजना के तहत अब तक 1647 ग्राम पंचायतों में ंवला, सिसो, महुगनी, बड एवं पीपल, सहित विभिन्न प्रकार के 6 हजार 479 पौधे रोपित किये गए है। अटल-भूजल योजना, हरियाणा के परियोजना निदेशक और मुख्य अभियंता डॉ. सतबीर सिंह कादयान ने राज्य कार्यक्रम प्रबंधन इकाई द्वारा संचालित अटल-भूजल स्वामित्व अभियान की समीक्षा के उपरांत यह जानकारी दी।डॉ. कादयान ने बताया कि इस अभियान के तहत न केवल वृक्षारोपण किया जा रहा है बल्कि पौधारोपण के बाद पौधों की देखरेख के लिए उनके स्वामित्व का भी निर्धारण किया जा रहा है। यह अभियान इस वर्ष पहली जुलाई से प्रारंभ किया गया है।उन्होंने बताया कि पेड़ प्राकृतिक जलशोषक के रूप में कार्य करते हैं, क्योंकि उनकी विस्तृत जड़ प्रणाली वर्षा जल को अवशोषित करती है। प्रक्रिया पानी के प्रवाह को धीमा कर देती है और उसे सतह से नदियों और

नालों में तेजी से बहने से रोकती है। इसके परिणामस्वरूप, पानी को मिट्टी में रिसने और भूजल स्तर तक पहुंचने में अधिक समय लगता है, जिससे भूजल स्तर में वृद्धि होती है ।

****